जनांकिकीय संक्रमण - सिद्धान्त
The Theory of Demographic transition

जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त अथवा जनसंख्या चक्र सिद्धान्त उन्नत देशों की वास्तविक जनसंख्या प्रवृत्तियों पर आधारित है। इस सिद्धान्त के अनुसार प्रत्येक देश के जनसंख्या की वृद्धि चार विभिन्न अवस्थाओं से होकर गुजरती है। सी. पी. ब्लेकर के अनुसार ये चारों अवस्थाएं निम्नलिखित है—

1. उच्च स्थिर अवस्था (High Stationary state - HS)
जिसमें जन्म और मृत्यु दर ऊंची रहती है।
2. प्रारम्भिक विस्तारशील अवस्था (Early Expanding state - EE)
जिसमें ऊंची जन्म दर और ऊंची किन्तु घटती मृत्यु दर होती है।
3. विलम्बित विस्तारशील अवस्था (Late Expandig state - LE)
जिसमें घटती जन्म दर परन्तु साथ ही अधिक तेजी से घटती हुई मृत्यु दर भी होती है।
4. नीची स्थिर अवस्था (Low Stationary state - LS)
जिसमें नीची जन्म दर लगभग रूप से नीची मृत्यु दर द्वारा संतुलित होती है।
5. घटती अवस्था (Declining State - D)
जिसमें नीची मृत्यु दर उससे भी नीची जन्म दर और जन्मों की अपेक्षा मृत्यु की अधिकता होती है।
इन अवस्थाओं को A तथा B भागों में चित्र द्वारा दिखाया गया है —

A

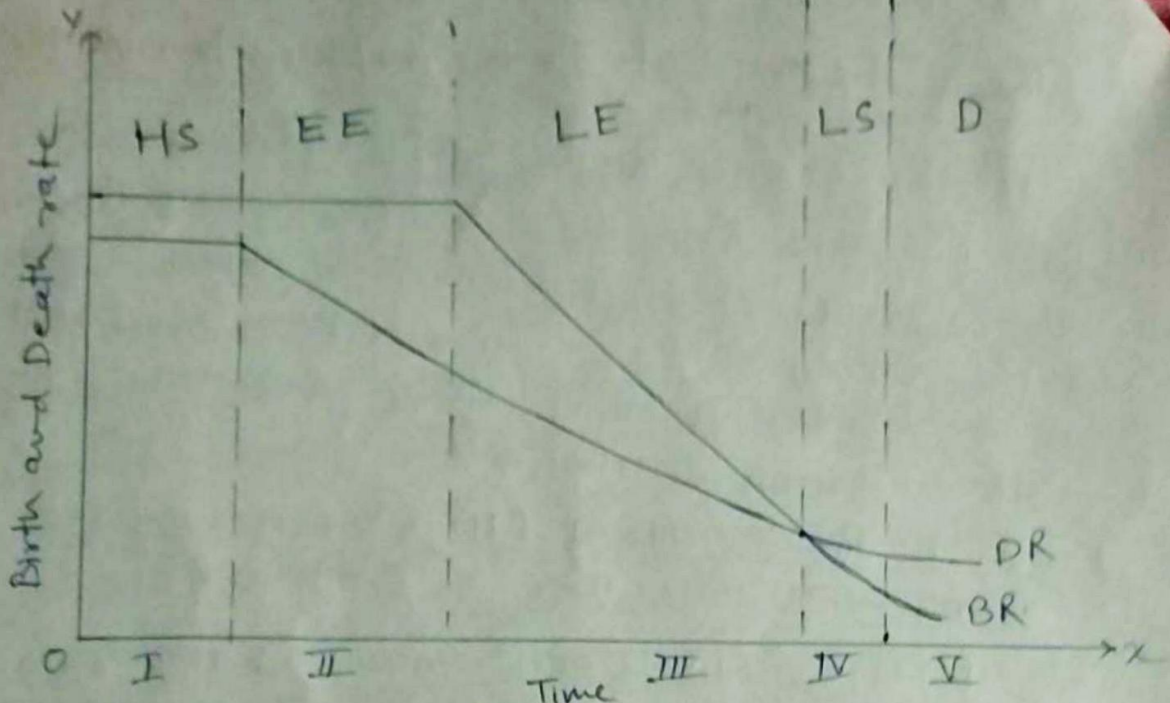

B

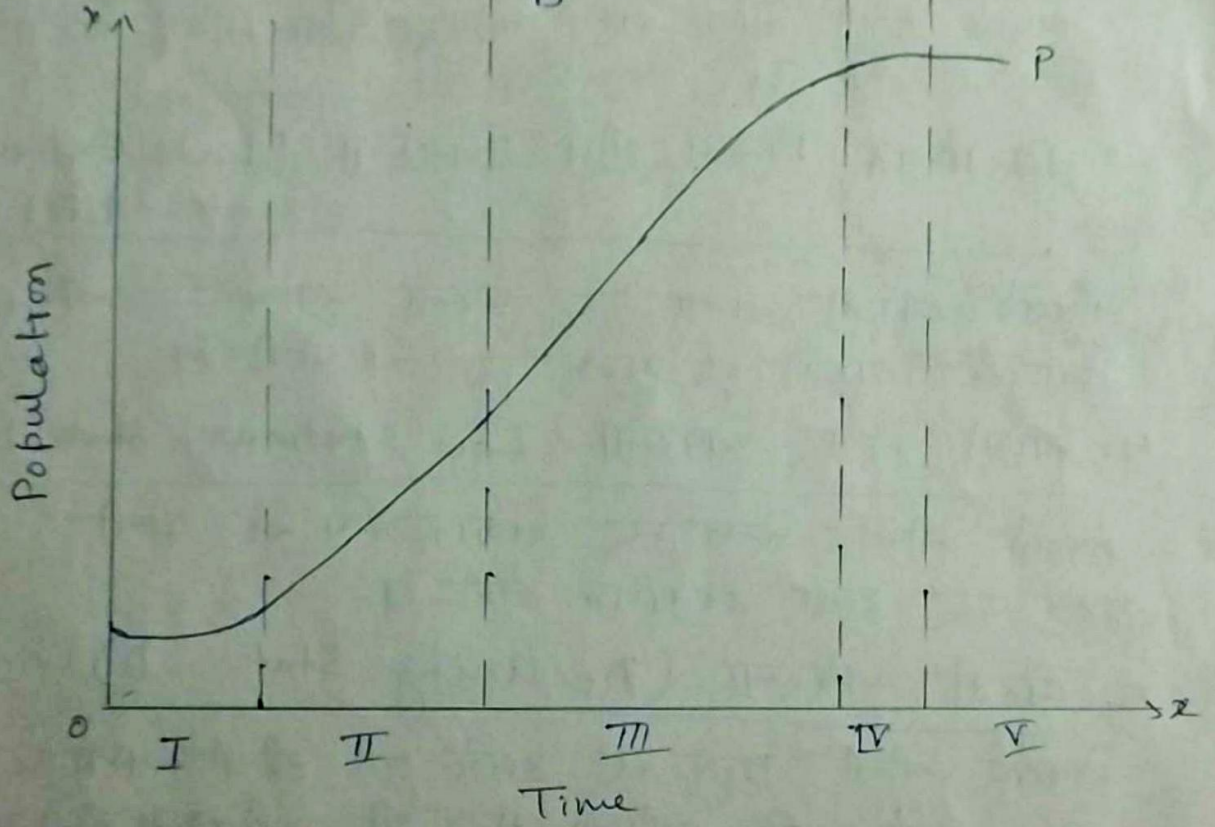

उपयुक्त चित्र A में ox axis पर Time तथा oy axis पर Birth rate and death rate को तथा चित्र B में ox axis पर Time तथा oy axis

आधार पर Population को लिया गया है दोनों चित्रों से स्पष्ट है कि -

प्रथम अवस्था

इस अवस्था में देश पिछड़ा हुआ होता है और इसकी विशिष्टता जन्म तथा मृत्यु की ऊँची दर होती है। अधिकतर लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहते हैं और उनका प्रमुख व्यवसाय कृषि होता है जो कि पिछड़ेपन की स्थिति में होती है। छोटे मोटे उपभोक्ता वस्तु उद्योग होते हैं। तृतीयक क्षेत्र जिसके अन्तर्गत परिवहन, वाणिज्य, बैंकिंग तथा बीमा है, अल्पविकसित होते हैं। ये सभी लोगों के कम आय के लिए उत्तरदायी होते हैं। परिवार के नीची आय को बढ़ाने के लिए बड़ा परिवार आवश्यक समझा जाता है। ये सभी आर्थिक एंव सामाजिक कारण देश में ऊँची जन्म-दर के जिम्मेवार होते हैं। ऊँची जन्म दर के साथ मृत्यु दर भी ऊँची होती है, क्योंकि लोगों को पौष्टिक आहार नहीं मिलता है और स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधाओं तथा स्वच्छता की समझ का भी अभाव रहता है। परिणामत: व-रोग ग्रस्त होते हैं और उचित चिकित्सा एंव देख रेख के अभाव में अधिक मौत के शिकार हो जाते है। इसे चित्र A में समय अवधि HS अवस्था द्वारा तथा चित्र B में P वक्र के समानान्तर भाग द्वारा दर्शाया गया है।

द्वितीय अवस्था

दूसरी अवस्था में अर्थव्यवस्था आर्थिक वृद्धि की अवस्था में प्रवेश करती है। कृषि तथा औद्योगिक उत्पादकता बढ़ती है। परिवहन के साधनों, श्रम की गतिशीलता तथा शिक्षा में वृद्धि होती है जिससे लोगों की